साप्ताहिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

गले में पाया जाने वाला बैक्टीरिया बच्चों के लिए खतरनाक

मॉन्ट्रियल, (आरएनएस)। कनाडा के शोधकर्ताओं ने बच्चों के लिए घातक बैक्टीरिया का पता लगाने का दावा किया है। आमतौर पर गले में पाए जाने वाले इस बैक्टीरिया की पहचान किंजेला किंजी के तौर पर की गई है। यह बच्चों में हड्डी और जोड़ों के संक्रमण के लिए जिम्मेदार है। शोधकर्ताओं का कहना है कि समय पर इलाज नहीं होने के कारण यह जानलेवा हो जाता है। इसके कारण चलने-फिरने में भी दिक्कत सामने आती है। अभी तक बच्चों में होने वाले संक्रमण के लिए अन्य बैक्टीरिया को जिम्मेदार माना जाता था। यूनिवर्सिटी ऑफ मॉन्ट्रियल के विशेषज्ञों के ताजा अध्ययन के बाद बच्चों के हड्डियों और जोड़ों में होने वाले संक्रमण का बेहतर तरीके से इलाज संभव हो सकेगा। जोसलिन ग्रैवल ने बताया कि बच्चों में होने 70 फीसदी संक्रमण इसी के कारण होते हैं। अब इसकी नई और कारगर दवा विकसित करने की भी उम्मीद जगी है।

सर्वाधिक बीयर मग उठाने का बनाया रिकॉर्ड

जर्मनी, (आरएनएस)। बीयर के मामले में जर्मन लोगों की दीवानगी जगजाहिर है। पिछले दिनों यहां म्यूजिक फेस्टिवल के लिए बीयर की पाइप लाइन डाली गई थी। अब यहां के एक शख्स ने बीयर मग से अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। यह रिकॉर्ड है बीयर के सर्वाधिक मग उठाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर रखना। यह कारनामा किया है ब्राविया शहर के ऑलीवर स्ट्रंफल ने उन्होंने बीयर के 29 मग एक साथ उठाए और 40 मीटर की दूरी तय कर उन्हें दूसरी टेबल पर रखा। इन मगों का वजन 70 किग्रा था। ऐसा करके उन्होंने 2014 में बनाया 25 मग उठाने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस उपलब्धि के लिए वह पिछले दस वर्षों से प्रयास कर रहे थे।

ज्वालामुखी में विस्फोटों से शुरू हुआ जलवायु परिवर्तन

वाशिंगटन, (आरएनएस)। दक्षिण गोलार्ध में जलवायु परिवर्तन की शुरुआत 17,700 साल पहले हुई। इसकी वजह उस दौरान (लगभग 192 वर्षों में) अंटार्कटिक पर ज्वालामुखियों के श्रृंखलाबद्ध विस्फोटों से ग्लेशियरों का पिघलने में आई तेजी थी। 1अमेरिकी वैज्ञानिकों के हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, आज से लगभग 17,700 साल पहले शुरू हुए जलवायु परिवर्तन में अंटार्कटिक के चारों ओर चलने वाली पश्चिमी हवाएं अचानक ध्रुव की ओर जाने लगी थीं।

इसके साथ ही समुद्र की बर्फ की मात्र और समुद्र से जुड़े बदलाव भी हुए थे। इन बदलावों के साक्ष्य दक्षिणी गोलार्ध के कई हिस्सों में पाए गए, लेकिन ये बदलाव बरकरार कैसे रहे इस बात की व्याख्या फिलहाल नहीं हो पाई है। अमेरिका में डेजर्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के जोसेफ आर मैक्कनल के मुताबिक, अंटार्कटिक की बर्फ के मूल के रासायनिक विश्लेषण पर पता चला है कि पश्चिमी अंटार्कटिक माउंट ताकाहे ज्वालामुखी से निकलने वाले हैलोजन से युक्त लावा का उत्सर्जन ठीक उसी समय हुआ, जब दक्षिणी गोलार्ध में व्यापक जलवायु परिवर्तन तेज होना शुरू हुआ। उस समय ग्रीन हाउस गैसों की मात्र का वैश्विक स्तर बढ़ना शुरू हुआ। मैक्कनल ने कहा, हमारा मानना है कि हैलोजन युक्त इस उत्सर्जन से अंटार्कटिक पर समताप मंडलीय ओजोन छिद्र बन गया। इससे दक्षिणी गोलार्ध के वातावरण और जलीय जलवायु में बदलाव हुए।

सर्वाधिक बीयर मग उठाने का बनाया रिकॉर्ड

जर्मनी। बीयर के मामले में जर्मन लोगों की दीवानगी जगजाहिर है। पिछले दिनों यहां म्यूजिक फेस्टिवल के लिए बीयर की पाइप लाइन डाली गई थी। अब यहां के एक शख्स ने बीयर मग से अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। यह रिकॉर्ड है बीयर के सर्वाधिक मग उठाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर रखना। यह कारनामा किया है ब्राविया शहर के ऑलीवर स्ट्रंफल ने उन्होंने बीयर के 29 मग एक साथ उठाए और 40 मीटर की दूरी तय कर उन्हें दूसरी टेबल पर रखा। इन मगों का वजन 70 किग्रा था। ऐसा करके उन्होंने 2014 में बनाया 25 मग उठाने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

ज्वालामुखी में विस्फोटों से शुरू हुआ जलवायु परिवर्तन

वाशिंगटन। दक्षिण गोलार्ध में जलवायु परिवर्तन की शुरुआत 17,700 साल पहले हुई। इसकी वजह उस दौरान अंटार्कटिक पर ज्वालामुखियों के श्रृंखलाबद्ध विस्फोटों से ग्लेशियरों का पिघलने में आई तेजी थी। 1अमेरिकी वैज्ञानिकों के हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, आज से लगभग 17,700 साल पहले शुरू हुए जलवायु परिवर्तन में अंटार्कटिक के चारों ओर चलने वाली पश्चिमी हवाएं अचानक ध्रुव की ओर जाने लगी थीं। इन बदलावों के साक्ष्य दक्षिणी गोलार्ध के कई हिस्सों में पाए गए, लेकिन ये बदलाव बरकरार कैसे रहे इस बात की व्याख्या फिलहाल नहीं हो पाई है। अमेरिका में डेजर्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के जोसेफ आर मैक्कनल के मुताबिक, अंटार्कटिक की बर्फ के मूल के रासायनिक विश्लेषण पर पता चला है कि पश्चिमी अंटार्कटिक माउंट ताकाहे ज्वालामुखी से निकलने वाले हैलोजन से युक्त लावा का उत्सर्जन ठीक उसी समय हुआ, जब दक्षिणी गोलार्ध में व्यापक जलवायु परिवर्तन तेज होना शुरू हुआ।

डेरा में सर्च - किसी भी समय, बुलेटप्रूफ वाहनों में घुसेंगे जवान व हेलीकाप्टर से निगरानी

सिरसा, (आरएनएस)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सिरसा के डेरा सच्चा सौदा में तलाशी की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अब अब डेरे में तलाशी अभियान शुरू हो जाएगा। सबसे पहले बुलेटप्रूफ गाड़ियों में पुलिस और अर्द्ध सैनिक बलों के जवान अंदर जाएंगे। अर्द्ध सैनिक बलों के जवान और हरियाणा पुलिस के कमांडो अब किसी समय डेरा सच्चा सौदा में प्रवेश कर सर्च अभियान शुरू कर देंगे। आज करीब चार बजे हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सच्चा सौदा में तलाशी के लिए अनुमति दे दी। हाईकोर्ट ने पूरी कार्रवाई के लिए रिटायर्ड सेशन जज एसके पंवार को कमिश्नर नियुक्त किया है। इससे पहले प्रदेश भर से बुलाए गए पुलिस बल, हरियाणा पुलिस के विशेष कमांडो दस्ते और बम निरोधक दस्ते को कार्रवाई के लिए तैयार कर रखा गया था। डेरा के आसपास के क्षेत्र में कर्फ्यू में आज एक घंटे की ही ढ़ील दी गई। पूरा क्षेत्र सील कर दिया गया है। डेरा सच्चा सौदा के पास के क्षेत्र में तैनात अर्द्ध सैनिक बलों के जवान। तलाशी अभियान हाई कोर्ट के आदेश के बाद शुरू होगी। इसके लिए हरियाणा सरकार ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी। बताया जाता है कि तलाशी के लिए सबसे पहले बुलेटरूफ गाड़ियों में पुलिस और अर्द्ध सैनिक बलों के जवान अंदर जाएंगे। पूरी कार्रवाई की हवाई निगरानी भी की जाएगी और इसी दौरान हेलीकाप्टर ऊपर चक्कर लगाते रहेंगे। डेरे में सर्च ऑपरेशन चलने की चर्चाएं काफी दिनों से चल रही हैं। सोमवार को देर शाम से डेरे के इर्द-गिर्द अर्द्ध सैनिक बलों और हरियाणा पुलिस के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। मंगलवार को भी सुबह से ही जवान मोर्चा संभाले हुए हैं। हरियाणा पुलिस के कमांडो भी वहां तैनात हैं। बम निरोधक दस्ते भी वहां डेरे के बाहर मौजूद हैं। पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी कर दी गई है। डेरा के पास के तीन गांवों और डेरे के आसपास के क्षेत्र में जारी कर्फ्यू मे भी आज सुबह एक घंटे की ही छूट दी गई। इससे पहले दिन के समय में कर्फ्यू में ढ़ील दी जा रही थी। पूरे क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा है और चप्पे-चप्पे पर पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के जवान तैनात हैं। बताया जाता है कि डेरा में तलाशी अभियान के लिए कोर्ट के आदेश का इंतजार है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, डेरा प्रेमी शांत बैठे हैं लेकिन पुलिस उन्हें हल्के में नहीं ले रही है। पुलिस को आशंका है कि डेरे में सर्च अभियान चलाने के लिए घुसने वाले पुलिस दस्ते पर पेट्रोल बम या अन्य विस्फोटक से हमला हो सकता है। पुलिस को जमीन के भीतर माइन से हमला होने का भी संदेह है। इसलिए मधुबन स्थित अन्य रेंज पर हमेशा तैनात रहने वाले बम निरोधक दस्ते बुलाए गए हैं।

सुदूर पूर्व के राज्यपालों-प्रतिनिधियों से सुषमा ने की मुलाकात

मास्को, (आरएनएस)। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज अपने तीन दिवसीय तौरे के तहत रूस में हैं। उन्होंने आज यहां के सुदूर पूर्वी इलाके के राज्यपालों और प्रतिनिधियों से मुलाकात की। सुषमा की संभावना है। पिछले हफ्ते विदेश मंत्रालय ने कहा था कि सुषमा की यात्रा दर्शाती है कि भारत रूस के सुदूर पूर्व में उभरते मौकों और रूस के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को अहमियत देता है। पूर्वी आर्थिक मंच को, करोबारी नेताओं तथा रूस, प्रशांत क्षेत्र एवं आसियान के वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधिनियों के बीच सहयोग का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संचार मंच समझा जाता है। यहां पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) में हिस्सा लेने पहुंची हुई हैं। इसमें वैश्विक व्यापार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। वह रूस के अपने समकक्ष सेरगेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगी जिसमें व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने

सुदूर पूर्व के राज्यपालों-प्रतिनिधियों से सुषमा ने की मुलाकात

मास्को। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज अपने तीन दिवसीय तौरे के तहत रूस में हैं। उन्होंने आज यहां के सुदूर पूर्वी इलाके के राज्यपालों और प्रतिनिधियों से मुलाकात की। सुषमा यहां पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) में हिस्सा लेने पहुंची हुई हैं। इसमें वैश्विक व्यापार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। वह रूस के अपने समकक्ष सेरगेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगी।

मुझे ऐसा लग रहा है जैसे अपने घर पर हूं : पीएम मोदी

म्यांमार, (आरएनएस)। चीन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने म्यांमार दौरे पर हैं। उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिस पर उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने घर पर हूं। आज पीएम मोदी ने सबसे पहले म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सान सू की से मुलाकात की। इसके बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में म्यांमार से दूसरे देशों में रोहिंग्या मुस्लिमों के पलायन का मुद्दा उठाते हुए चिंता जताई और कहा कि भारत हर संभव मदद को तैयार है। इससे पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने राष्ट्रपति हतिन क्याव के साथ भारत और म्यांमार के ऐतिहासिक रिश्तों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की थी। म्यांमार यात्रा से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और म्यांमार सुरक्षा और आतंक से निपटने, व्यापार एवं निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं ऊर्जा और संस्कृति के क्षेत्र में मौजूदा सहयोग को बढ़ाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत चीन के शियामिन से यहां पहुंचे हैं। यह उनकी म्यांमार की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। इससे पहले वह 2014 में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने यहां आए थे।

म्यांमार में प्रधानमंत्री का शानदार स्वागत

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने म्यांमार के राष्ट्रपति क्याव द्वारा प्रधानमंत्री का स्वागत किए जाने की कुछ तस्वीरें ट्वीट की हैं। दोनों नेताओं को गार्ड ऑफऑनर भी दिया गया। यहां पहुंचने के तुरंत बाद दोनों नेताओं की बैठक हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने क्याव को तिब्बत के पठार से अंडमान सागर तक बहने वाली सालवीन नदी का 1841 का नक्शा और बोधिवृक्ष की मूर्ति भेंट की। उन्होंने इस मुलाकात को अद्भुत बताया। म्यांमार के राखाइन प्रांत में रोहिंग्या मुसलमानों के साथ जातीय हिंसा की घटनाओं में तेजी आने के बीच प्रधानमंत्री इस देश की यात्रा पर हैं।

बांग्लादेश सीमा पर म्यांमार ने बिछाया बारुदी सुरंग: सूत्र

ढाका, (आरएनएस)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में दो सरकारी सूत्रों के अनुसार, पिछले तीन दिनों से बांग्लादेश बार्डर पर म्यांमार की ओर से बारुदी सुरंग बिछाने का काम चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि इसके पीछे रोहिंग्या समुदाय को रोकने का मकसद हो सकता है। म्यांमार के राखिने में हाल के हिंसा में करीब 400 लोग मारे गए और करीब 125,000 रोहिंग्या जान बचाकर पड़ोसी देश बांग्लादेश चले गए। सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया, 'वे सीमा पर बाड़ों के करीब अपने इलाके में लैंड माइन बिछा रहे हैं।' हालात से अवगत सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि बांग्लादेश की ओर से बुधवार को सीमा के करीब बारुदी सुरंग बिछाने के खिलाफ औपचारिक रूप से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। दोनों सूत्रों ने बताया, बांग्लादेश को बारुदी सुरंगों का पता फोटोग्राफिक सबूतों व खबरी (इंफॉर्मर) से पता चला। एक सूत्र ने बताया, 'हमारी सेना ने बाड़ के करीब तीन चार ग्रुप को काम करते देखा कि वे जमीन पर कुछ रख रहे थे। इसके बाद हमने इस बात की पुष्टि अपने इंफॉर्मरों से की कि वे वहां बारुदी सुरंग बिछा रहे थे।' सूत्रों से ग्रुप के लोगों के यूनिफर्म का पता नहीं चल पाया लेकिन उन्होंने यह कहा कि वे निश्चित तौर पर रोहिंग्या नहीं थे।

पिछले तीन दिनों से बिछाया जा रहा लैंडमाइन

बांग्लादेश सीमा पर गार्ड ऑफिसर मंजुरुल हसन खान ने रायटर्स को बताया कि मंगलवार को म्यांमार की ओर विस्फोट की दो आवाजें सुनी गयी जिसके बाद यह बात प्रकाश में आयी कि म्यांमार के सुरक्षा बलों द्वारा सीमा पर बारुदी सुरंग बिछाया जा रहा है। सोमवार को इसी तरह की विस्फोटों से पहले ही इस बात की आशंका पर बल दिया था कि म्यांमार ने सीमावर्ती इलाके में बारुदी सुरंग बिछा दिया है। खान ने बताया कि मंगलवार को सीमा पार करने से पहले ही विस्फोट के चपेट में एक लड़के ने अपना पैर गवां दिया जिसके बाद उसे इलाज के लिए बांग्लादेश लाया गया, वहीं दूसरे लड़के को मामूली जख्म आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह विस्फोट बारुदी सुरंग विस्फोट ही सकता है।

अंडमान निकोबार में 5.4 की तीव्रता के भूकंप के झटके

पोर्ट ब्लेयर, (आरएनएस)। अंडमान सागर में बुधवार सुबह 5.4 की तीव्रता के भूकंप के झटके को महसूस किया गया। इससे पोर्ट ब्लेयर के दक्षिण पश्चिम में 162 किमी तक का क्षेत्र प्रभावित रहा। हालांकि भूकंप से किसी भी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई है। बता दें कि अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह 'बहुत तीव्रता' भूकंपीय क्षेत्र में आते हैं। 5.4 तीव्रता वाले भूकंप को मध्यम तीव्रता में मापा जाता है। गत मार्च माह में भी अंडमान में 5.9 तीव्रता वाला भूकंप आया था।

अमेरिका में चक्रवाती तूफान 'इरमा' का खतरा

वॉशिंगटन (आरएनएस)। टेक्सास और लुईसियाना प्रांत के लोग अभी हार्वे तूफान से उबरे भी नहीं हैं कि दक्षिण पूर्व अमेरिका पर एक और शक्तिशाली चक्रवाती तूफान 'इरमा' का खतरा गहरा गया है। इससे अमेरिका के तटवर्ती इलाकों के अलावा प्यूर्टो रिको, वेस्टइंडीज, क्यूबा, ब्रिटिश और अमेरिकी वर्जिन द्वीपसमूह के प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। फ्लोरिडा और प्यूर्टो रिको में आपात स्थिति की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचस) ने संबंधित क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की है। इस तूफान को चौथी श्रेणी में रखा गया है। लिहाजा 209-251 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की आशंका है।

नाबालिग से अनाचार, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। हरदीबाजार चौकी अंतर्गत एक नाबालिग के साथ अनाचार का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हरदीबाजार क्षेत्र में नाबालिग के माता-पिता दो साल पहले मजदूरी करने आए हुए थे। ग्राम नेवसा में रहने वाला बसंत श्रीवास पिता स्वर्गीय कुशलाल ने नाबालिग पर नजर गड़ा रखी थी। नाबालिग को अकेला पाकर उसे नेवसा जंगल की ओर ले गया और अनाचार की घटना को अंजाम दिया। नाबालिग ने इसकी जानकारी अपने माता-पिता को दी। परिजनों ने हरदीबाजार पहुंचकर घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376, 4 पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पहले ही दिन 2 घंटे तक खराब रही लखनऊ मेट्रो

लखनऊ। चारबाग से ट्रांसपोर्ट नगर जाने वाली ट्रेन तकनीकी खराबी की वजह से दुर्गापुरी और मवैया के बीच सुबह तकरीबन दो घंटे तक खड़ी रही। इस दौरान पैसेंजर्स परेशान होते रहे। इस ट्रेन में 101 यात्री सवार थे। बताया गया कि ट्रैक्शन मोटर खराब है, जिसकी वजह से इमरजेंसी कॉल अटेंड नहीं हो पाई। काफी देर तक इसे ठीक करने की कोशिश की गई। जब सिस्टम ठीक नहीं हो पाया। तब लोगों को इमरजेंसी गेट से निकाला गया।

सभी पैसेंजर्स 400 मीटर पैदल चलकर दुर्गापुरी स्टेशन वापस आए। नहीं पकड़ पाए दिल्ली की फ्लाइट: दिल्ली के लिए लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर गौरव त्रिपाठी नाम के शख्स को फ्लाइट पकड़नी थी। गौरव सुबह 6.10 पर ट्रेन से रवाना हुए। 6 बजकर 38 मिनट पर तकनीकी खराबी आने की वजह से दो घंटे तक ट्रेन रुकी रही। सुबह 7.30 बजे तक स्थिति सही न होने पर इमरजेंसी गेट से निकाला गया। देरी से चलते गौरव फ्लाइट नहीं पकड़ पाए।

इसके बारे में एलएमआरसी ने सिर्फ सॉरी के अलावा कुछ नहीं कहा। गौरव ने कहा, अगर उन्हें कोई कानूनी सहायता मिलती है, तो टिकट के पैसे के लिए क्लेम करेंगे। क्या बोले अफसरः लखनऊ मेट्रो के सीनियर पीआरओ अमित श्रीवास्तव ने बताया कि मवैया और दुर्गापुरी के बीच टेक्निकल प्रॉब्लम की वजह से ट्रेन रुक गई थी, जिसके बाद पैसेंजर्स को सुरक्षित निकाल लिया गया। किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था नहीं हुई। 40 मिनट में ऑपरेशन पूरा कर लिया।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, केंद्र और राज्य सरकारें गोरक्षकों पर कसें नकेल

नई दिल्ली। देश में कथित गोरक्षकों की गुंडागर्दी थमने का नाम नहीं ले रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कथित गोरक्षकों को चेताया है, लेकिन इसके बावजूद वारदातें हो रही हैं। अब सुप्रीम कोर्ट भी इन कथित गोरक्षकों पर सख्त होता नजर आ रहा है। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को आदेश दिया है कि कथित गोरक्षकों से बेहद सख्ती के साथ निपटा जाए। सप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से कहा है कि कथित गोरक्षकों को कानून हाथ में लेने से रोकें। ऐसे कदम उठाए जाएं, जिससे कथित गोरक्षकों के हमले थमें। इसके साथ ही कथित गोरक्षकों की हिंसा रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने हर जिले में सीनियर पुलिस ऑफिसर तैनात करने का आदेश दिया है। केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एडिशनल सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कानून इस प्रकार की अनियंत्रित घटनाओं पर लगाने के लिए हमारे पास पर्याप्त कानून हैं।

गधे ले जा रहे लोगों पर गोरक्षकों का हमला

राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर के कालुड़ी गांव में मंगलवार को गौ तस्करी के शक में कथित गोरक्षकों ने एक ट्रक चालक और उसके चार साथियों के साथ मारपीट की। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मंगलवार सुबह एक ट्रक आधा दर्जन गधे भरकर बांसवाड़ा जिला मुख्यालय की ओर जा रहा था, इसी बीच कालुड़ी गांव में कुछ युवकों ने ट्रक ड्राइवर को रोका और खुद को गोरक्षक बताते हुए मारपीट शुरू कर दी।